

PE – 427
M.A. HINDI (FOURTH Semester)
Examination June 2022
Group -
Paper -II
CHHAYHADOTTAR KAVYA

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 80
[Minimum Pass Marks : 29

नोट : दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 1x10=10
 - (i) धर्मवीर भारती द्वारा संपादित पत्रिका का नाम लिखिए।
 - (ii) हरिशंकर परसाई जी के दो व्यंग्य रचनाओं के नाम लिखिए।
 - (iii) मुक्तिबोध के प्रसिद्ध काव्य संकलन का नाम बताइए।
 - (iv) नागार्जुन का पूरा नाम लिखिए।
 - (v) रघुवीर सहाय की सबसे प्रसिद्ध रचना कौन सी है ?
 - (vi) धर्मवीर भारती के दो उपन्यासों के नाम लिखिए।
 - (vii) मुक्ति बोध किस विचारधारा से जुड़े थे।
 - (viii) 'गुनाहों का देवता' काव्य संग्रह है अथवा 'उपन्यास'।
 - (ix) प्रथम सार सप्तक का प्रकाशन किस वर्ष हुआ ?
 - (x) मुक्तिबोध की कौन सी कविता आपके पाठ्यक्रम में है।
 - (xi) प्रयोगवाद के प्रवर्तक किसे माना जाता है।
 - (xii) राष्ट्रीय काव्य धारा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।
 - (xiii) अज्ञेय की प्रसिद्ध लंबी कविता का नाम लिखिए।
 - (ivx) रघुवीर सहाय कौन से 'सप्तक' के कवि हैं।
2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच लघुत्तरीय प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए। 2x5=10
 - (i) 'फेंटेसी' को समझाइए।
 - (ii) समकालीन कविता में 'धूमिल' का स्थान निर्धारित कीजिए।
 - (iii) अकाल और उसके बाद' कविता का भावार्थ संक्षेप में लिखिए।
 - (iv) दुष्यंत कुमार के काव्य विकास का परिचय दीजिए।
 - (v) नवो कविता के स्वरूप का चित्रण कीजिए।
 - (vi) प्रयोगवाद को स्पष्ट कीजिए।
 - (vii) असाध्य वीणा का भावार्थ संक्षेप में लिखिए।
3. अज्ञेय जी के काव्य के भाव पक्ष एवं कला पक्ष का विस्तार से वर्णन कीजिए 12

अथवा

नई कविता की प्रमुख काव्यगत प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
4. 'मुक्ति बोध' नई कविता के प्रतिनिधि कवि माने जाते हैं इस कथन की सम्यक विवेचना कीजिए। 12

अथवा

नागार्जुन की काव्यकला की विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।
5. धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

प्रगतिवाद अथवा प्रयोगवाद की विशेषताओं और प्रमुख कवियों की विवेचना कीजिए।
6. निम्नलिखित पद्य खण्डों की सप्रसंग सहित व्याख्या कीजिए— 8x3=24

(क) "आओ बैठे
इसी ढाल की
हरी घास पर"

माली— चौकीदारों का यह समय नहीं है,
और घास तो
अधुशतन मानव मन की भावना की तरह
सदा बिछी है हरी न्यौतती
कोई आकर रौंदे
आओ बैठो”

अथवा

वज्र कीतिज्ञ ने मयंपूत जिस
अति प्राचीन किरीटी— तरु से इसे गढ़ा था।
उसके कानों में हिम शिखर रहस्य कहा करते थे अपने
कंधो पर बादल सोथे थे,
उसकी करि—शुण्डों सी डालें
हिम वर्षा से पूरे वन यूवों का कर लेती थी परित्राण
कोटर में मालू बसते थे,
केहरि उसके बल्कल से कंधे खुजलाते आते थे
और सुना है जड उसकी जा पहुची थी पाताल लोक,
उसकी गंध प्रवण शीतलता से कणटिका
नाग वासुकी सोधा था।

(ख) “अरे। अरे।।

तालाब के आस—पास अंधेरे में वन—वृक्ष
चमक— चमक उठते हैं हरे—हरे अचानक वृक्षों के,
शीशे पर नाच—नाच उठती है, बिजलियाँ,
शाखाएँ, डालियाँ झूमकर झपटकर
चीख, एक दूसरे पर टपकती है सिर कि अकस्मात
वृक्षों के अंधेरे में छिपी हुई किसी एक, तिलस्मी
खोह का सिला— द्वार खुलता है घड़ से।”

अथवा

“जिसमें सोता है अखंड
ब्रम्हा कामौन
अशेष प्रमामय।
अचल धवल गिरि के शिखरों पर
बादल को घिरते देखा है
छोटे—छोटे मोती जैसे उनके शीतल तुहिन कणों को
मन—सरोवर के उन सविर्णम कमलों पर गिरते देखा है।”

(ग) “वह रहस्यमय व्यक्ति

अब तक न पायी मेरी अभिव्यक्ति है
पूर्ण आस्था वह
निज संभावनाओं, निहित प्रमुखों प्रतिभाओं की
मेरे परिपूर्ण का अविर्भाव हृदय में रिक्त रहे
आत्म की प्रतिमा।”

अथवा

“कई दिनों तक चुल्हा रोया, चक्कीरही उदास,
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उसके पास,
कई दिनों तक लगी मीत पर छिपकलियों की गस्त,
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।”